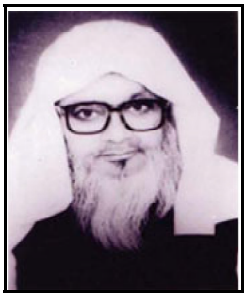

हज़रत मौलाना ज़ुबैर अहमद क़ासमी

मौलाना ज़ुबैर अहमद क़ासमी का जन्म सन् 1359 हिजरी बामुताबिक सन 1938 ई0 को जनाब अब्दुश शकूर के घर गाँव चन्द्रसेनपूर ज़िला मधुबनी बिहार में हुई और मृत्यु 13 जनवरी सन् 2019 ई0 को सुबह साढ़े छः बजे हुई

प्राथमिक शिक्षाः

मौलाना की प्राथमिक शिक्षा मदरसा बशारतुल उलूम दरभंगा में हुई जहां आप के महान गुरू मौलाना सईद अहमद साहब थे।

उच्च शिक्षाः

सन 1377 हिजरी में आप दारुल उलूम देवबन्द में दाख़िल हुए और सन 1370 हिजरी में हदीस ग्रन्थ से शिक्षा प्राप्त की आपके प्रसिद्ध गुरू में मौलाना फ़ख़रुद्दीन साहब, मौलाना इब्राहिम बलयावी साहब और मौलाना फ़ख़रुल हसन साहब थे।

अध्यापन कालः

दारुल उलूम देवबन्द से उच्च शिक्षा की प्राप्ति के पश्चात बशारतुल उलूम ज़िला दरभंगा ही में अध्यापक नियुक्त हुए। कुछ वर्ष यहां रहने के बाद बिहार का प्राचीन इदारा जामिया अरबिया अशरफुल उलूम कन्हवाँ ज़िला सीतामढ़ी में आ गये, जहां 14 वर्षों तक प्राथमिक शिक्षा से माध्यमिक शिक्षा तक की किताबें पढ़ाते रहे। फिर जामिया क़ासमिया गया में एक साल तक कार्य किया। सन 1398 हिजरी में जामिया रहमानी मुंगेर में सन 1406 हिजरी तक अध्यापन का कार्य करते रहे। फिर मिफ़्ताहुल उलूम मऊ में शैखुल हदीस के पद पर कार्य करते रहे। अन्त में हज़रत मौलाना रिज़वान क़ासमी रह0 के निमंत्रण पर दारुल उलूम सबीजुस्सलाम हैदराबाद में आगमन हुआ और शैखुल हदीस के पद पर सन 1412 हिजरी तक कार्यरत रहे।

आपने सन 1412 हिजरी से जीवन प्रयत्न प्रबन्धक के रूप में अशरफुल उलूम कनहुवां सीतामढ़ी

का विकास एवं विस्तार किया।

एकेडमी की सदस्यता:

एकेडमी की स्थापना के समय से ही आप इसके सदस्य रहे और इसकी सभाओं और आयोजनों मे पूरी गम्भीरता के साथ सम्मिलित होते रहे।

रचनाएँ:

- ☆ पोते का विरासत में हिस्सा
- ☆ मआशरती मसायल का हल
- ☆ अल्लामा इब्ने तयमीया और उनके तजदीदी कारनामे
- ☆ आज़ा की पैवन्दकारी
- ☆ ज़कात बराए सादात
- ☆ क़त्ल व जिब्ह रहम
- ☆ एहकामे उशरो ख़िराज
- ☆ बेअ़ मुराबहा
- ☆ इंशोरेन्स
- ☆ निकाह में शर्त लगाना
- ☆ एहकामे मसाजिद व औक़ाफ़
- ☆ ग़ैर सूदी बैंककारी
- ☆ मसला विलायत व किफ़ायत

☆☆☆